

1. Critically examine Isaiah Berlin's two concepts of liberty.

इसायाह बर्लिन की स्वतंत्रता की दो अवधारणाओं की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये ।

2. Discuss feminist critique of Rawls' theory of justice.

रॉल्स के न्याय सिद्धांत की नारीवादी आलोचना पर चर्चा कीजिये।

3. What do you mean by rights? In what ways natural theory differ from legal theory in justifying rights?

4. Why do critics argue that advocates of equality of outcome are promoting an unrealistic idea of universal equality, and how might this be viewed as a barrier to innovation and economic progress?

आलोचक यह तर्क क्यों देते हैं कि परिणाम की समानता के समर्थक सार्वभौमिक समानता के अवास्तविक आदर्श को बढ़ावा दे रहे हैं, और इसे नवाचार और आर्थिक प्रगति में बाधा के रूप में कैसे देखा जा सकता है?

5. Define democracy. How does deliberative democracy differ from participatory democracy?

लोकतंत्र को परिभाषित कीजिये। विचार-विमर्शात्मक लोकतंत्र सहभागी लोकतंत्र से कैसे भिन्न है?

6. What do you understand by global justice? Examine the debate between cosmopolitan and communitarian approach to global justice.

वैश्विक न्याय से आप क्या समझते हैं? वैश्विक न्याय पर सार्वभौमिकतावादी और सामुदायिक दृष्टिकोण के बीच बहस का परीक्षण कीजिये।

7. Discuss in what ways the idea of cultural relativism challenges the idea of universal human rights.

सांस्कृतिक सापेक्षवाद का विचार किस प्रकार सार्वभौमिक मानवाधिकार के विचार को चुनौती देता है। चर्चा कीजिये।

8. Discuss the importance of freedom of speech and expression as articulated by J.S Mills.

जे.एस. मिल्स द्वारा व्यक्त भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के महत्व पर चर्चा कीजिये।

9. Elaborate upon the differences between procedural and substantive theories of justice.

10. Write short notes on **Any Two** of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

1. Complex Equality

जटिल समानता

2. Republican Theory of Democracy

लोकतंत्र का गणतांत्रिक सिद्धांत

3. Communitarianism

साम्यवाद

4. Generations of Rights

अधिकारों की पीढ़ियाँ